an>

Title: Need to increase the number of railway platforms at Jammu Railway Station.

श्री जुगल किशोर (जम्मू) : माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। मैं आपके माध्यम से सरकार का और विशेÂा तौर पर रेल मंत्री जी का ध्यान जम्मू कश्मीर प्रदेश के जम्मू शहर की ओर दिलाना चाहता हूँ। यह बहुत बड़ा शहर है और जम्मू कश्मीर प्रदेश की राजधानी भी है। वहाँ 1972 में रेल पहुँची थी और उन्हीं दिनों जम्मू रेलवे स्टेशन बना था। रेलवे स्टेशन पर रेलों के रुकने के लिए तीन प्लेटफार्म बने थे। उस समय रेलगाड़ियों की संख्या भी कम थी और उस समय यात्री और टूरिस्ट भी कम जाते थे, लेकिन आज की तारीख में तीन ही प्लेटफार्म हैं जबकि 35 और 40 के बीच गाड़ियाँ जम्मू पहुँचती हैं। देश से ही नहीं, बल्कि दुनिया भर से लोग माँ वैÂणो देवी के दर्शनों के लिए, कश्मीर और जम्मू को देखने के लिए टूरिस्ट्स आते हैं। फिर वहाँ पर उन्हें धक्के खाने पड़ते हैं और दर-ब-दर की ठोकरें खानी पड़ती हैं, कई घंटों इंतज़ार करना पड़ता है। कारण यही है कि केवल तीन प्लेटफार्म्स हैं, रेलगाड़ियाँ लेट हो जाती हैं और लेट पहुंचती हैं और लेट ही वहां से चलती हैं। यह एक समस्या जम्मू कश्मीर में बहुत बड़ी समस्या बन चुकी है। मेरी रेल मंत्री और रेल मंत्रालय से प्रार्थना है कि यह जो जम्मू शहर जम्मू-कश्मीर प्रदेश की राजधानी है, बहुत बड़ा शहर है। यहाँ यात्रियों की सुविधा के लिए तथा जो टूरिस्ट आते हैं, उनकी सुविधा के लिए यहाँ तीन प्लेटफॉर्म और बनाने की जो प्रक्रिया है, उसमें तेजी लाई जाए और तीन प्लेटफार्म यहाँ जल्दी बनाए जाएँ ताकि देश और दुनिया से आने वाले जो टूरिस्ट्स और यात्री हैं तथा जो सफर करने वाले लोग हैं, उन्हें परेशानियों का सामना न करना पड़े। रेल भी समय से चले और समय से पहुँचे। यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा जो आपने मुझे उठाने का मौका दिया, मैं इसके लिए आपका आभार प्रकट करता हूँ।

HON. DEPUTY SPEAKER: *m02 Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Jugal Kishore.